IAS GS World PCS
Committed To Excellence
विशिष्ट संपादकीय सारांश
12 अगस्त 2024
द हिन्दू
पेपर- III (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)

सतही निदान : राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार

इस महीने के अंत में 33 वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार (आरवीपी), जो मेधावी वैज्ञानिकों को सालाना पुरस्कार देने की आजाद भारत की लंबी परंपरा के प्रति वर्तमान सरकार का नया दृष्टिकोण है, से नवाजा जाएगा। यह बदलाव शांति स्वरूप भटनागर (एसएसबी) पुरस्कारों, जो कभी वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा 45 साल से कम उम्र के वैज्ञानिकों को प्रदान किए जाते थे, को खत्म करने के लिए किया गया है। इसमें एक प्रमाणपत्र, एक नकद पुरस्कार और कुछ अतिरिक्त मौद्रिक लाभ शामिल होते थे। आरवीपी ने इसकी जगह एक पदक और एक प्रमाण पत्र का प्रावधान कर दिया तथा इसका नाम

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार

- यह विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए पुरस्कारों का एक नया सेट है।
- राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार पुरस्कार के लिए प्राप्त सभी नामांकन भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पी.एस.ए.) की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार समिति (आर.वी.पी.सी.) के समक्ष रखे जाते हैं।
- सभी श्रेणियों के पुरस्कारों का समारोह 23 अगस्त (राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस) को आयोजित किया जाएगा। सभी पुरस्कारों के साथ एक सनद और एक पदक दिया जाएगा।

उद्देश्य

- विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचार के विभिन्न क्षेत्रों में व्यक्तिगत रूप से या टीमों में वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और नवप्रवर्तकों द्वारा किए गए उल्लेखनीय और प्रेरक योगदान को मान्यता देना।
- यह भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मानों में से एक है।

पात्रता

- सरकारी, निजी क्षेत्र के संगठनों में कार्यरत वैज्ञानिक/प्रौद्योगिकीविद्/नवप्रवर्तक, या किसी भी संगठन के बाहर काम करने वाले कोई भी व्यक्ति जिन्होंने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, या प्रौद्योगिकी आधारित नवाचार के किसी भी क्षेत्र में अग्रणी अनुसंधान, नवाचार, या खोज के संदर्भ में विशिष्ट योगदान दिया है, वे पुरस्कार के लिए पात्र होंगे।
- विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के लोग, जो भारतीय समुदायों या समाज के लाभ के लिए असाधारण योगदान देते हैं, भी पुरस्कार के लिए पात्र होंगे।
- वैज्ञानिकों का चयन 13 क्षेत्रों से किया जाएगा, अर्थात् भौतिकी, रसायन विज्ञान, जैविक विज्ञान, गणित और कंप्यूटर विज्ञान, पृथ्वी विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग विज्ञान, कृषि विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी, तथा अन्य।
- लिंग समानता सहित प्रत्येक डोमेन/क्षेत्र का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा।

पुरस्कार निम्नलिखित चार श्रेणियों में दिए जाएंगे

- विज्ञान रत्न (वीआर) पुरस्कार विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में आजीवन उपलब्धियों और योगदान को मान्यता देगा।
- विज्ञान श्री (वीएस) पुरस्कार विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट योगदान को मान्यता देगा।
- विज्ञान युवा-शांति स्वरूप भटनागर (वीवाई-एसएसबी) पुरस्कार 45 वर्ष तक की आयु के उन युवा वैज्ञानिकों को मान्यता और प्रोत्साहन देगा, जिन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया है।
- विज्ञान टीम (वीटी) पुरस्कार तीन या अधिक वैज्ञानिकों/शोधकर्ताओं/नवप्रवर्तकों की टीम को दिया जाएगा, जिन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में एक टीम के रूप में काम करते हुए असाधारण योगदान दिया हो।

बदलकर विज्ञान युवा-एसएसबी कर दिया। अन्य आरवीपी पुरस्कार 'विज्ञान श्री, विज्ञान रत्न और विज्ञान टीम पुरस्कार' भी हैं। ये पुरस्कार 45 साल से ज्यादा उम्र के उन वैज्ञानिकों के लिए होंगे, जिन्होंने अपने पूरे करियर के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान दिया है और साथ ही असाधारण योगदान वाले वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकीविदों की टीमों को भी दिए जायेंगे।

सैद्धांतिक रूप से, सभी श्रेणियों के तहत पुरस्कारों की कुल संख्या 56 तक रखी गई है। हालांकि, इस साल के लिए चुने गए पुरस्कार इस सीमा से कम हैं। टीम पुरस्कार भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की 'चंद्रयान-3 टीम' को प्रदान किया गया है, जिसमें निश्चित रूप से तीन से ज्यादा सदस्य हैं। ये सब तकनीकी पहलू हैं और पुरस्कारों का पहला संस्करण होने के नाते, यह कुछ तदर्थ जैसा लग सकता है। पुरस्कार विजेताओं की सूची में खगोल भौतिकी से लेकर कृषि तक के क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला से जुड़े वैज्ञानिक शामिल हैं और यह आरवीपी के लिहाज से अनूठा नहीं है कि इन पुरस्कार विजेताओं में से अधिकांश केंद्रीय वित्त पोषित और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, सीएसआईआर और परमाणु ऊर्जा संस्थानों जैसे भारत के सबसे विशिष्ट वैज्ञानिक एवं अनुसंधान संस्थानों से संबद्ध हैं। आरवीपी पुरस्कारों की स्थापना गृह मंत्रालय और विभिन्न विज्ञान विभागों के प्रमुखों द्वारा 2022 में यह राय दिए जाने के बाद की गई थी कि अलग-अलग वैज्ञानिक विभागों द्वारा बहुत सारे पुरस्कार दिए जा रहे हैं और उनमें कटौती करना तथा उनका 'कद' बढ़ाकर राष्ट्रीय पुरस्कारों का करना जरूरी है। भले ही प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को हमेशा अन्य क्षेत्रों की तरह ही पद्म पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, लेकिन विशिष्ट रूप से वैज्ञानिकों के लिए पुरस्कारों के पीछे का मूल मकसद उन्हें अनुसंधान से जुड़े रहने के लिए प्रोत्साहित करना था, जिसके नतीजे हमेशा तुरंत मूर्त नहीं होते हैं और उसके असर का तुरंत मूल्यांकन नहीं किया जाता है। ओलंपिक पदकों की तरह ही, नोबेल पुरस्कार भी भारतीय वैज्ञानिकों से दूर है और यह कई सरकारों के लिए एक संवेदनशील विषय रहा है। राष्ट्रीय पुरस्कार नोबेल का विकल्प या उत्प्रेरक नहीं हैं। सरकार को यह नहीं समझना चाहिए कि वैज्ञानिक सिर्फ सम्मान और मान्यता पाने के लिए ही लालायित रहते हैं। भारत में बहुत से वैज्ञानिक न्यूनतम निधि व घटिया उपकरणों के सहारे और हतोत्साहित करने वाले वातावरण के बीच काम करते हैं, जिससे उन्हें अपने बंधे हुए हाथों के साथ अनुसंधान के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। प्रतीकात्मक कदमों के मुकाबले बजटीय आवंटन बढ़ाने और भारत में वैज्ञानिक अनुसंधान को अपेक्षाकृत अधिक फायदेमंद बनाने से विज्ञान की कहीं ज्यादा सेवा होगी।

प्रारंभिक परीक्षा के संभावित प्रश्न (Prelims Expected Question)

प्रश्न: राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. पुरस्कार चार श्रेणियों में दिए जाएंगे।
2. वैज्ञानिकों का चयन 13 क्षेत्रों से किया जाएगा।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

Que. Consider the following statements with reference to the National Science Award-

1. Awards will be given in four categories.
2. Scientists will be selected from 13 areas.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1 (b) Only 2
(c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

उत्तर : C

मुख्य परीक्षा के संभावित प्रश्न व प्रारूप (Expected Question & Format)

प्रश्न: हाल ही में शुरू किए गए राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार क्या हैं? क्या भारत की बेहतर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए ऐसे पुरस्कार लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं? टिप्पणी करें।

उत्तर का दृष्टिकोण :

- उत्तर के पहले भाग में राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार की चर्चा करें।
- दूसरे भाग में भारत की बेहतर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए ऐसे पुरस्कारों के पक्ष विपक्ष की चर्चा कीजिए।
- अंत में आगे की राह देते हुए निष्कर्ष दें।

नोट : अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अत: इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।